सि

पुलिस व्यवस्था में उठी बदलाव की मांग

सोच

हथियारबंद नहीं प्रजातांत्रिक पुलिस चाहिए

सिरसा। पुलिस व्यवस्था में अमूल-चूल परिवर्तन की मांग उठी है और इसके लिए स्वयंसेवी संस्था निशान के बैनर तले बीएसएफ के पूर्व उच्चाधिकारी अरिदमन जीत सिंह के नेतृत्व में सोमवार को सिरसा से देशस्तरीय मुहिम की विधिवत शुरूआत हुई। इस मौके पर श्री सिंह ने यहां पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि ब्रिटिश साम्राज्यवादी सोच के साथ-साथ फौजी सिस्टम पर आधारित भारत की मौजूदा पुलिस व्यवस्था को प्रजातांत्रिक बनाए जाने की आवश्यकता है। इसी के सिलसिले में देशभर में जन आंदोलन शुरू किया जा रहा है जिसमें तमाम राजनीतिक व गैर राजनीतिक संगठनों के सहयोग की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हथियारबंद पुलिस की नहीं बल्कि प्रजातांत्रिक पुलिस की जरूरत है, क्योंकि पुलिस जनता की सेवा के लिए होती है और पुलिसकर्मी तो रोल मॉडल नागरिक होने चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी भी सिस्टम में बदलाव तो राजनेता लाते हैं लेकिन उसके लिए उच्चाधिकारियों द्वारा सुझाव दिया जाए तभी संभव है और अब निशान संस्था आम लोगों से मिलकर नेताओं के समक्ष स्थिति को अवगत करवाएगी। श्री सिंह बोले कि वास्तव में उच्चाधिकारियों के इर्द-गिर्द भारी संख्या में सुरक्षा गार्डों व बड़े-बड़े स्टारों की कोई आवश्यकता नहीं है तो पुलिस में जरनेल भी नहीं हों और पुलिस के उच्चाधिकारियों की बजाए पुलिसकर्मियों को आम जनता की सुरक्षा के लिए तैनात किया जाना चाहिए। बीएसएफ से सेवानिवृति के बाद पुलिस व्यवस्था पर शोध में जुटे अरिदमन जीत सिंह ने कहा कि पुलिस के ढांचे में जब तक आमूलचूल बदलाव नहीं किए जाते तब तक रुचिका गिरहोत्रा, प्रियदर्शनी मट्टू, जेसिका लाल व निठारी जैसे कांडों की घटनाएं यूं ही दोहराई जाती रहेंगी। उन्होंने आगामी रणनीति के संदर्भ में बताया कि वे राजनेताओं को पुलिस व्यवस्था में बदलाव की मांगों के बारे में पत्र लिखकर मांग कर रहे हैं। इसी कड़ी में ऐलनाबाद उपचुनाव में विभिन्न पार्टियों के प्रत्याशियों से भी मुलाकात की गई है। इनमें से इनेलो प्रत्याशी अभय सिंह चौटाला ने बाकायदा पुलिस के विकेंद्रीकरण करने की आवाज उठाई है। इस मौके पर इंग्लेंड से पधारी संस्था निशान की सदस्या मनीषा सिंह व पूर्व विशेष पुलिस अधिकारी मलिशा गोर्डन ने भी विदेशी पुलिस व्यवस्था पर प्रकाश डाला।